3NYEEQ

पाठ 9

आदिमानव

इस चित्रकथा में आदिमानव की कहानी है। वे हजारों वर्ष पहले घने जंगलों में बिना कपड़े पहने रहते थे और जानवरों का कच्चा मांस खाते थे। धीरे–धीरे उन्होंने आग जलाना, खेती करना सीखा। वे गुफाओं में रहने लगे। आदिमानव ने किस तरह उन्नति की, यह इस पाठ में पढ़ेंगे।

राधा ने अपनी एक किताब दादा जी को दिखाते हुए पूछा, ''दादा जी, इस किताब में लिखा है कि आदि–मानव जंगलों में रहते थे। वे बिना कपड़ों के रहते थे और जानवरों का कच्चा मांस खाते थे। क्या यह सही है?

1

दादा जी ने बताया, ''हाँ बेटी, यह सही है। आदि–मानव जंगलों में रहते थे। वे बिना कपड़े पहने घूमते थे, कंदमूल और जानवरों का कच्चा मांस खाते थे।

2

उस समय लोगों को आग की जानकारी नहीं थी। काफी समय बाद उन्होंने पत्थर रगड़कर आग जलाना सीखा।

3

आग की जानकारी होने पर उन लोगों ने मांस भूनकर खाना शुरू किया। आग जलाकर वे जानवरों से अपनी रक्षा भी करते थे।

4

उस समय आदिमानव एक स्थान से दूसरे स्थान पर घूमते रहते थे। वे पत्थरों के हथियार प्रयोग में लाते थे।

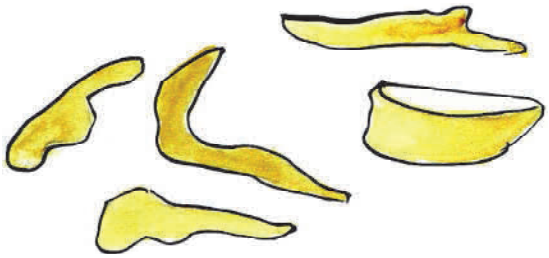

5

वे फलों को खाकर उनके बीज फेंक देते थे। उन्होंने नए पौधे उगते देखे। धीरे–धीरे उन्होंने खेती करना सीख लिया।

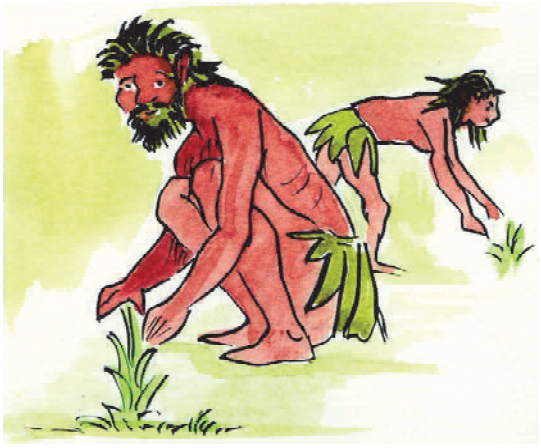

6

कई कार्यों में अपनी सहायता के लिए उन्होंने जानवरों से सहायता लेना शुरू किया।

7

खेती प्रारम्भ करने पर, फसल लेने से काटने तक उनको एक जगह रहना पड़ता था। इस तरह गाँव बसने लगे।

8

उसके बाद आदिमानव ने पहिए की खोज कर ली।

9

बाद में उन लोगों को धातु का ज्ञान हुआ। वे लोहे, पीतल के हथियार और बर्तन बनाने लगे।

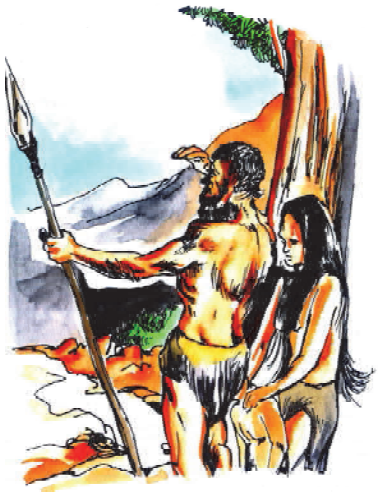

10

गुफाओं में रहते हुए उन्होंने चित्र बनाना शुरू कर दिया।

11

दादा जी ने बताया, 'बेटी मनुष्य ने इसी तरह प्रयास करते–करते अपना विकास किया है। आज भी आदिमानव की तरह दुनिया में लाखों लोग रह रहे हैं। विकास का यह क्रम अभी भी जारी है।'

12

शब्दार्थ

आदिमानव = शुरू के आदमी

कंदमूल = जमीन के अंदर उगने वाली वनस्पतियाँ जैसे शकरकंद, मूली, गाजर, आलू आदि।

प्रश्न और अभ्यास

प्र.1. आदिमानव का रहन–सहन कैसा था ?

प्र.2. गाँव व शहरों का विकास कैसे हुआ ?

प्र.3. आग जलाना सीखने पर आदि मानव को क्या लाभ हुआ ?

प्र.4. आदिमानव एक स्थान से दूसरे स्थान पर क्यों घूमते रहते थे ?

प्र.5. वे कच्चा मांस क्यों खाते थे ?

प्र.6. आदिमानव ने खेती करना कैसे सीखा ?

प्र.7. आदिमानव ने हथियार बनाना क्यों सीखा ?

प्र.8. यदि आग की खोज नहीं हुई होती तो तुमको क्या–क्या परेशानी होती ?

प्र.9. आदि मानव पत्थरों को आपस में रगड़कर आग जलाते थे। आजकल आग जलाने के क्या–क्या तरीके हैं।

प्र.10. आदि मानव गुफाओं में रहते थे। तुम किस प्रकार के घर में रहते हो ? दोनों प्रकार के घरों में क्या अंतर है ?

आदि मानव का घर	तुम्हारा घर

भाषा–अध्ययन और व्याकरण

यहाँ हम सीखेंगे • समान अर्थ वाले शब्दों की जानकारी • समान अर्थ वाले शब्दों की जोड़ी बनाना • अशुद्ध शब्द को शुद्ध करना • शब्दों को वाक्यों में प्रयोग करना ।

- कक्षा के दोनों समूह परस्पर शब्दों के अर्थ और उनका वाक्य–प्रयोग करने की गतिविधि करें।
- शिक्षक एक अनुच्छेद श्रुतिलेख के लिए बोलेंगे जिसे विद्यार्थी अपनी–अपनी कॉपी में लिखेंगे और आपस में कॉपी बदल कर परीक्षण संबंधी कार्य कराएँगे।

प्र.1. इन शब्दों को पढ़ो व इनका प्रयोग करके एक–एक वाक्य बनाओ।

आश्चर्य, पूर्वज, इकट्ठा, वनांचल, झुंड ।

प्र.2. इन शब्दों को सुधारकर लिखो।

आश्र्चय, पूवर्ज, गाव, सथाई, चित्तर

प्र.3 दाईं ओर बने गोलों में कुछ नाम लिखे हैं और बाईं ओर के गोलों में उनकी विशेषता बताने वाले शब्द। इनकी सही जोड़ियाँ बनाओ।

हज़ारों	कच्चा	आदि	मानव	मांस	जंगल
एक	लाखों	घने	लोग	वर्ष	समय

प्र.4. इन वाक्यों को क्या, कब, कैसे और क्यों का प्रयोग कर, प्रश्नवाचक वाक्यों में बदलो।

क– राधा को आश्चर्य हुआ।
ख– आदिमानव कच्चा मांस खाते थे।
ग– आदिमानव ने खेती करना व पशुओं को पालना प्रारंभ किया।
घ– बहुत समय बाद गाँव व शहरों का विकास हुआ।

प्र.5 ने, को, की, में का प्रयोग करके वाक्य पूरे करो।

क. दादा जी ने राधा .... बताया।
ख. राधा .... दादा जी ने पूछा।
ग. उन लोगों को आग ......जानकारी नहीं थी।
घ. बस्तर .... बहुत आदिवासी रहते हैं।

3P8AGD

रचना

- आदिमानव के जीवन और आज के मानव के जीवन में क्या अंतर है? पाँच वाक्यों में लिखो।

योग्यता विस्तार

- वनवासियों के जीवन से संबंधित कुछ चित्र एकत्रित करो और अपनी चित्र–पुस्तिका में चिपकाओ।

शिक्षण–संकेत

- चित्रों को देखकर विषय–वस्तु को समझने में बच्चों का मार्गदर्शन करें।
- बच्चों को आदिमानव के जीवन, रहन–सहन, खान–पान आदि की जानकारी दें।
- कठिन वर्तनी वाले शब्दों को श्यामपट पर अशुद्ध लिखकर उसे बच्चों से सुधरवाएँ।